भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्य् सभा

लिखित प्रश्न सं. 136 जिसका उत्तआर

सोमवार, 24 नवम्ब र 2014/**3** अग्रहायण, 1936 (शक) को दिया जाना है

सी.आई.डब्यूंत्.टी.सी. लिमिटेड और आई.डब्यूकपा.ए. का विलय

136. **श्री रीताब्रता बनर्जी :**

क्या. **पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय अन्त्देशीय जल परिवहन निगम लिमिटेड (सी आई डब्यूं टी सी) हमारे देश के अन्तर्देशीय जलमार्ग के क्षेत्र में एक मात्र सरकारी संचालक है;

(ख) क्या सी.आई.डब्यूत्.टी.सी. अपना परिचालनात्मयक महत्वम खो रहा है

(ग) यदि हां, तो इसके क्याआ कारण है और

(घ) क्याक सरकार सी.आई.डब्यूीतआ.टी.सी. लिमिटेड का आई.डब्यू दे.ए. के साथ विलय करने का विचार रखती है?

उत्तघर

पोत परिवहन राज्यसमंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णोन्)

(क) से (ग) : सी आई डब्यू त् टी सी एक लाभ न देने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और अपने कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी के भुगतान हेतु पूर्णत: सरकार पर आश्रित है। जल परिवहन क्षेत्र में अंतर्निहित सीमाओं और अवसंरचनात्मदक बाधाओं के कारण सी आई डब्यू टी सी का प्रचालन व्यावहार्य नहीं बन सकता। वर्ष 1967 में इसके प्रारंभ से ही सी आई डब्यू टी सी घाटे में जा रहा है और वर्तमान में एक गैर प्रचालनात्म क पी एस यू है।

अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यहम से कार्गो की ढुलाई काफी हद तक निजी क्षेत्र के अंतर्गत की जाती है।

(घ) : सी आई डब्यूय टी सी का आई डब्यू ए आई के साथ विलयन का कोई प्रस्ताव नहीं है।

****